

# कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, मेरठ।

पत्रांक 1902 / 14-1, दिनांक, मेरठ 16 नवम्बर, 2023.

सेवा में,

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
मेरठ वृत्त, मेरठ।

विषय:-

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।(प्रस्ताव संख्या- **FP/UP/Road/149898/2021**)

सन्दर्भ:-

1. भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का पत्रांक-8बी/यू0पी0/06/79/2023/एफ.सी./70, दिनांक-02.05.2023.
2. मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ का पत्रांक-1253/11-सी-**FP/UP/Road/149898/2021**, दिनांक-14.11.2023,

महोदय,

उपरोक्त विषयक मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0, लखनऊ के संदर्भित पत्र दिनांक-14.11.2023 द्वारा प्रकरण में भारत सरकार द्वारा लगायी गई कमियों की अनुपालन आख्या ऑनलाइन परिवेश पोर्टल पर पूर्ण रूप से अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में भारत सरकार द्वारा लगायी गई आपत्तियों का निराकरण उपरांत अनुपालन आख्या पूर्ण रूप से ऑनलाइन परिवेश पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है।

अतः उक्त संदर्भित पत्र के क्रम में अनुपालन आख्या आपकी सेवा में सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है

भवदीय,

(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ।

संख्या- 1902 / 14-1, दिनांकित।

प्रतिलिपि:- मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ0प्र0 लखनऊ को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि:- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0 नि0 वि0, मेरठ को सूचनार्थ प्रेषित।

(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ।

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।  
पत्रांक— 1253/11-सी—FP/UP/Road/149898/2021, लखनऊ, दिनांक: नवम्बर 14, 2023

सेवा में,

वन संरक्षक,  
मेरठ वृत्त, मेरठ।

विषय:— जनपद मेरठ के अन्तर्गत प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग द्वारा नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि०मी० 00.00 से कि०मी० 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे० आरक्षित वनभूमि के गैर वानिकी प्रयोग एवं परियोजना में बाधक 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में। प्रस्ताव —FP/UP/Road/149898/2021

विषय:— वन संरक्षक, मेरठ वृत्त, मेरठ का पत्रांक—1983/14-1, दिनांक 09.11.2023

महोदय,

उपरोक्त विषयक संदर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें। विषयगत प्रकरण में आपके संदर्भित पत्र द्वारा भारत सरकार द्वारा कमियों का निराकरण ऑनलाईन परिवेश पोर्टल पर अपूर्ण प्रेषित किया गया जिसमें आपके पत्र में संलग्नकों/उल्लेख है, किन्तु संलग्नक, प्रयोक्ता एजेंसी, प्रभागीय निदेशक एवं आपके स्तर से पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया है।

अतः संदर्भित पत्र के कम में ऑनलाईन परिवेश पोर्टल पर समस्त अभिलेख पत्र के साथ अपलोड कराने का कष्ट करें, ताकि विषयगत प्रकरण में आवश्यक अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके।

भवदीय,

18

(अनुपम गुप्ता)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी,  
उ०प्र०, लखनऊ।

संख्या— 1253/11-सी—FP/UP/Road/149898/2021, दिनांकित।

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित अधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1—प्रभागीय निदेशक, सा०वा० प्रभाग, मेरठ।

2— अधिशासी अभियन्ता, लो०नि०वि०, मेरठ।

18

(अनुपम गुप्ता)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी,  
उ०प्र०, लखनऊ।



कार्यालय वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक, सामाजिक वानिकी, मेरठ-वृत्त मेरठ।  
(223/1, सिविल लाइन, मेरठ-250001)

पत्रांक- 1983 /14-1, दिनांक, मेरठ, 09, नवम्बर, 2023।

सेवा में,

मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

विषय:-

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।(प्रस्ताव संख्या- FP/UP/Road/149898/2021)

सन्दर्भ:-

1. भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का पत्रांक-8बी/यू0पी0/06/79/2023/एफ.सी./70, दिनांक-02.05.2023.
- 2-प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, मेरठ का पत्रांक 1809/14-1, दिनांक 06.11.2023।

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ के सन्दर्भित पत्र दिनांक-02.05.2023 के माध्यम से विषयक परियोजना में परीक्षणोपरान्त विभिन्न बिन्दुओं पर आपत्ति लगाई थी। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, मेरठ ने अपने संदर्भित पत्र दिनांक 06.11.2023 के द्वारा बिन्दुओं पर आपत्ति का निराकरण कर अनुपालन आख्या इस कार्यालय को प्रेषित की गयी बिन्दुवार निम्नवत है:-

क्र0सं0	इंगित कमियाँ	अनुपालन आख्या
1.	As per the Google earth imageries dated 29.11.2022, agricultural activity has been observed on the proposed CA land area. CA land is not contagious to the forest land. This need rectification/clarification.	प्रस्ताव में प्रभावित आरक्षित वन भूमि के बदले प्रतिपूरक वनीकरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा वन क्षेत्र के निकटतम उपलब्ध गैर-वन भूमि वन विभाग को उपलब्ध करायी गयी है। उक्त गैर-वन भूमि सभी प्रकार के अतिक्रमण से मुक्त है। (Certificate attached) (संलग्नक-1)
2.	As per the DSS analysis the proposed CA land falls under the Hastinapur Wildlife Sanctuary. Comments of CWLW/concerned official needs to be submitted to ascertain that the CA scheme is in accordance with provisions of Management Plan.	उक्त के संबंध में हस्तिनापुर वन्य जीव विहार के concerned official की संक्षिप्त टिप्पणी संलग्न है। (संलग्नक-2)
3.	Geo-referenced cadastral map of the proposed CA land needs to be submitted.	Geo-referenced cadastral map संलग्न है। (संलग्नक-3)
4.	Documentary evidence regarding existence of road prior to 1980 needs to be provided.	प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा उपलब्ध कराया गया Documentary evidence संलग्न है। (संलग्नक-4)
5.	Approval of the Standing Committee of National Board for the Wildlife( NBWL) needs to be submitted, since area proposed for diversion is part of PA.	प्रस्ताव को वन्य जीव क्लीयरेंस हेतु उच्च स्तर को प्रेषित किया जा चुका है, वर्तमान में प्रस्ताव राज्य वन्यजीव बोर्ड स्तर से अनुमोदन होने उपरान्त राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड को प्रेषित किया जा चुका है।
6.	Plantation scheme for roadside Plantation needs to be submitted.	Plantation scheme for roadside Plantation संलग्न है। (संलग्नक-5)

क०प०उ०

-2-

अतः उक्त बिन्दुओं की बिन्दुवार अनुपालन आख्या सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं।  
संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय,  
(गंगा प्रसाद)

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी, मेरठ वृत्त मेरठ।

पत्रांक- 1983/14-1, दिनांकित।

प्रतिलिपि प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, मेरठ को संदर्भित पत्र के कम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(गंगा प्रसाद)  
वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी, मेरठ वृत्त मेरठ।

0/c



# कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, मेरठ।

पत्रांक 1800 /14-1, दिनांक, मेरठ 6 नवम्बर, 2023.

सेवा में,

वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक,  
मेरठ वृत्त, मेरठ।

विषय:-

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।(प्रस्ताव संख्या- **FP/UP/Road/149898/2021**)

सन्दर्भ:-

1. भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का पत्रांक-8बी/यू0पी0/06/79/2023/एफ.सी./70, दिनांक-02.05.2023.
2. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0 नि0 वि0, मेरठ का पत्रांक-2496/1C, दिनांक-22.08.2023

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ के सन्दर्भित पत्र दिनांक-02.05.2023 के माध्यम से विषयक परियोजना में परीक्षणोपरान्त विभिन्न बिन्दुओं पर आपत्ति लगाई थी। जिसके क्रम में अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0 नि0 वि0, मेरठ द्वारा उनके सन्दर्भित पत्र दिनांक-22.08.2023 के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओं की बिन्दुवार अनुपालन आख्या उपलब्ध करायी। प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा उपलब्ध करायी गई अनुपालन आख्या त्रुटिपूर्ण होने की वजह से प्रयोक्ता अभिकरण को त्रुटिरहित आख्या उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिसके उपरांत प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा उपलब्ध करायी गई अनुपालन आख्या बिन्दुवार निम्नवत है:-

क्र0सं0	इंगित कमियाँ	अनुपालन आख्या
1.	As per the Google earth imageries dated 29.11.2022, agricultural activity has been observed on the proposed CA land area. CA land is not contiguous to the forest land. This need rectification/clarification.	प्रस्ताव में प्रभावित आरक्षित वन भूमि के बदले प्रतिपूरक वनीकरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा वन क्षेत्र के निकटतम उपलब्ध गैर-वन भूमि वन विभाग को उपलब्ध करायी गयी है। उक्त गैर-वन भूमि सभी प्रकार के अतिक्रमण से मुक्त है। <b>(Certificate attached) (संलग्नक-1)</b>
2.	As per the DSS analysis the proposed CA land falls under the Hastinapur Wildlife Sanctuary. Comments of CWLW/concerned official needs to be submitted to ascertain that the CA scheme is in accordance with provisions of Management Plan.	उक्त के संबंध में हस्तिनापुर वन्य जीव विहार के concerned official की संक्षिप्त टिप्पणी संलग्न है। <b>(संलग्नक-2)</b>
3	Geo-referenced cadastral map of the proposed CA land needs to be submitted.	Geo-referenced cadastral map संलग्न है। <b>(संलग्नक-3)</b>
4	Documentary evidence regarding existence of road prior to 1980 needs to be provided.	प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा उपलब्ध कराया गया Documentary evidence संलग्न है। <b>(संलग्नक-4)</b>
5	Approval of the Standing Committee of National Board for the Wildlife( NBWL) needs to be submitted, since area proposed for diversion is part of PA.	प्रस्ताव को वन्य जीव क्लीयरेंस हेतु उच्च स्तर को प्रेषित किया जा चुका है, वर्तमान में प्रस्ताव राज्य वन्यजीव बोर्ड स्तर से अनुमोदन होने उपरान्त राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड को प्रेषित किया जा चुका है।
6	Plantation scheme for roadside Plantation needs to be submitted.	Plantation scheme for roadside Plantation संलग्न है। <b>(संलग्नक-5)</b>

कृ०प०उ०.....

अतः उक्त बिन्दुओं की बिन्दुवार अनुपालन आख्या आपकी सेवा में सादर सूचनार्थ एवं नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं।  
संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ।

संख्या- 1800 / 14-1, दिनांकित।

प्रतिलिपि:- मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी, उ०प्र० लखनऊ को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि:- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०, मेरठ को सूचनार्थ प्रेषित।

(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ।

o/c



# OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

## Provincial Division, P.W.D., Meerut

Letter No. : 2496/115

Date: 22-08-2023

To,

✓ Divisional Director,

Social Forestry Division, Meerut

Uttar Pradesh Forest Deptt.

**Sub:** Re-construction & road widening of Nayagaon-Makdumpur road from change km 00.000 to km 23.350 (Total Length 23.350) in district- Meerut, Uttar Pradesh State- Regarding Compliance of EDS dated 23.05.2023

**Ref:** 1. EDS dated 23.05.2022

2. MoEF&CC IRO, Lucknow Letter 8B/UP/06/79/2023/FC/70 dated 02.05.2023

3. Proposal No.- FP/UP/ROAD/149898/2021

Respected Sir,

With reference to the EDS dated 23.05.2023, point-wise compliance of the observations are as follows :

S.N.	Observation	Compliance
1	As per the Google Earth imageries dated 29.11.2022, agricultural activity has been observed on the proposed CA land area. CA land is not contagious to the forest land. This need rectification / clarification.	Non-forest land has been proposed for compensatory afforestation in lieu of the forest area being diverted. The land for compensatory afforestation has been provided by District Administration in context to nearest possible available land. The area is Govt. land and has already been free from encroachment.
2	As per the DSS analysis the proposed CA land falls under the Hastinapur Wildlife Sanctuary. Comments of CWLW / concerned official need to be submitted to ascertain that the CA scheme is in accordance with the provision of Management Plan.	Divisional Director, Social Forestry Division, Meerut is requested to forward CA scheme to Chief Wildlife Warden, Lucknow for their remarks and approval.
3	Geo-referenced cadastral map of the proposed CA land need to be submitted.	Geo-referenced Cadastral Map of Non-forest land for compensatory afforestation is attached herewith.

सर्वेचल  
आम मा 20

50/13  
28/08/2023

Page

# OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER



***Provincial Division, P.W.D., Meerut***

S.N.	Observation	Compliance
4	Documentary evidence regarding existence of road prior to 1980 need to be provided.	Relevant Cadastral Map of Revenue Department prepared in year 1960 clearly shows the existence of the road in question before 1980. Certified copy of the aforesaid Cadastral Map is attached herewith.
5	Approval of the Standing Committee of National Board for the Wildlife (NBWL) needs to be submitted since area proposed for diversion is part of PA.	Application for the same has already been made vide proposal no. FP/UP/ROAD/149898/2021. Proposal is with SBWL. NBWL recommendation shall be submitted as part of Stage I compliance.
6	Plantation scheme for road side plantation needs to be submitted.	Plantation scheme is attached herewith.

In view of the above, you are requested to accept the proposal for further proceedings.

Thanking You,

Yours Faithfully,

  
**Er. Satendra Singh**  
**Executive Engineer,**  
**Provincial Division, P.W.D. Meerut**  
  
**Er. Satendra Singh**  
**Executive Engineer,**  
**Provincial Division, PWD Meerut**



प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।  
(प्रस्ताव संख्या- FP/UP/Road/149898/2021)

### प्रमाण-पत्र

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति से सम्बन्धित प्रस्ताव के सापेक्ष क्षतिपूरक वनीकरण हेतु ग्राम जलालपुर उर्फ मकबूलपुर तहसील मवाना परगना हस्तिनापुर खसरा सं0 332 मि0 0.334 हे0 गैर वन भूमि वनविभाग को उपलब्ध करायी गयी है एवं यह प्रमाणित किया जाता है कि विषयक प्रस्ताव में क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु उपरोक्त स्थान का अद्योहस्ताक्षरी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया है। जिस पर किसी प्रकार की Agriculture Activity होना नहीं पाया गया है एवं उक्त स्थल क्षतिपूरक वनीकरण/वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त है।



(अन्शु चावला)

उप प्रभागीय वनाधिकारी,  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
उप प्रभागीय वनाधिकारी,  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ



(राजेश कुमार)

प्रभागीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
(राजेश कुमार)  
मेरठ  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ



क्षेत्रीय वनाधिकारी  
हस्तिनापुर रेंज

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।  
(प्रस्ताव संख्या- FP/UP/Road/149898/2021)

### क्षतिपूरक वनीकरण/वृक्षारोपण की परियोजना के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ द्वारा जनपद मेरठ के अन्तर्गत नयागांव-मकदूमपुर सड़क का चैनेज कि0मी0 00.000 से कि0मी0 23.350 (कुल लम्बाई 23.350) का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य हेतु 0.334 हे0 आरक्षित वनभूमि पर गैर वानिकी कार्य एवं 43 वृक्षों/पौधों के पातन की अनुमति से सम्बन्धित प्रस्ताव के सापेक्ष क्षतिपूरक वनीकरण हेतु ग्राम जलालपुर उर्फ मकबूलपुर तहसील मवाना परगना हस्तिनापुर खसरा सं0 332 मि0 0.334 हे0 गैर वन भूमि वनविभाग को उपलब्ध करायी गयी है एवं यह प्रमाणित किया जाता है कि विषयक प्रस्ताव में क्षतिपूरक वृक्षारोपण परियोजना हस्तिनापुर वन्य जीव विहार के कन्जरवेशन प्लान एवं वृत्त की अनुसूचित दरों के आधार पर निरूपित की गयी है एवं क्षतिपूरक वनीकरण हेतु वन्य जीव विहार के लिए उपयुक्त देशी एवं वन्य जीवों के लिए चारा प्रजातियों का रोपण किया जाएगा।



(अन्शु चावला)  
उप प्रभागीय वनाधिकारी,  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
उप प्रभागीय वनाधिकारी  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
मेरठ

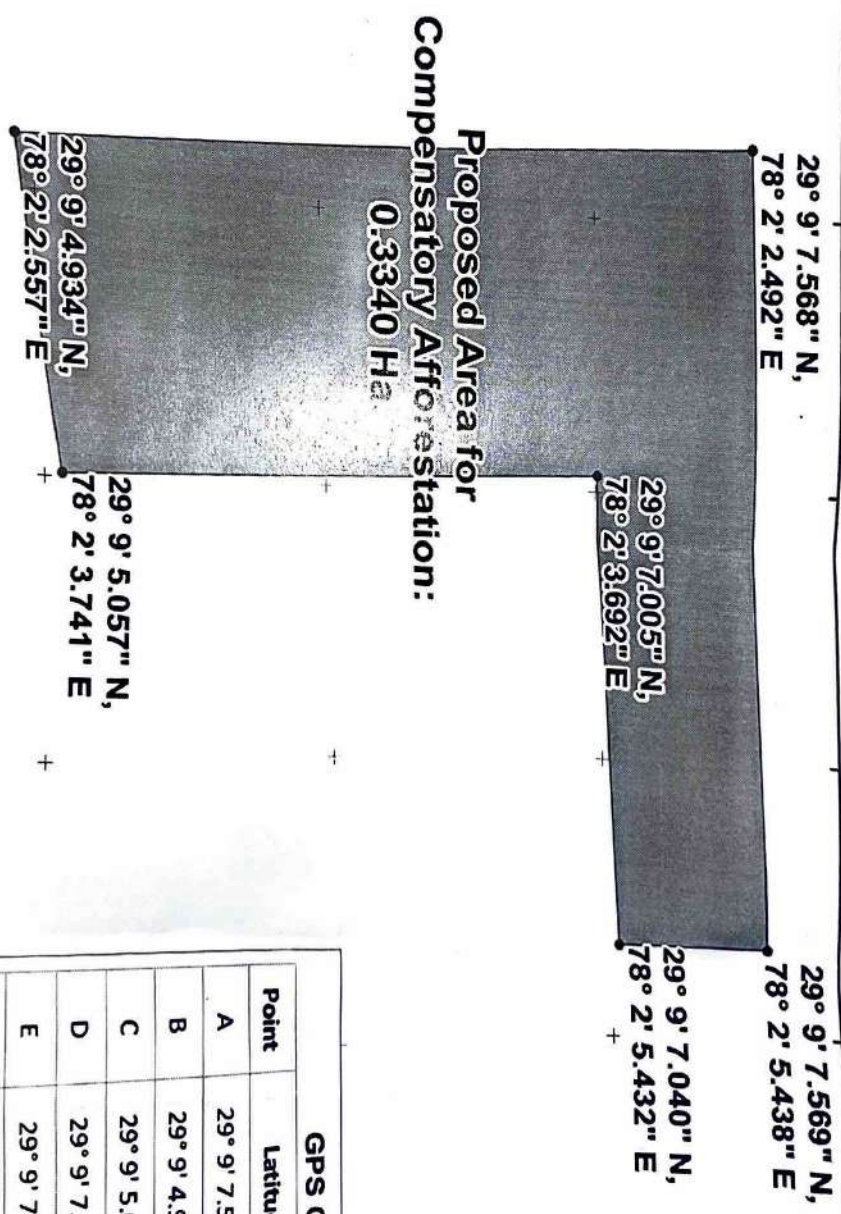


(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक,  
सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
मेरठ।



# Georeferencing Map Showing Compensatory Afforestation for Re-construction & Road Widening of Nayagaon-Makhdumpur Road from Chainage km 00.000 to km 23.350 (Total Length 23.350km)

in District: Meerut, Uttar Pradesh State



GPS Coordinates		
Point	Latitude	Longitude
A	29° 9' 7.568" N	78° 2' 2.492" E
B	29° 9' 4.934" N	78° 2' 2.557" E
C	29° 9' 5.057" N	78° 2' 3.741" E
D	29° 9' 7.005" N	78° 2' 3.692" E
E	29° 9' 7.040" N	78° 2' 5.432" E
F	29° 9' 7.569" N	78° 2' 5.438" E

## Legend

- Co-ordinates

Proposed Area for Compensatory Afforestation



(राजेश कुमार)  
प्रभागीय निदेशक  
राज्य वन विभाग, मेरठ

# Certificate regarding documentary evidence regarding existence of road prior to 1980 need to be provided.

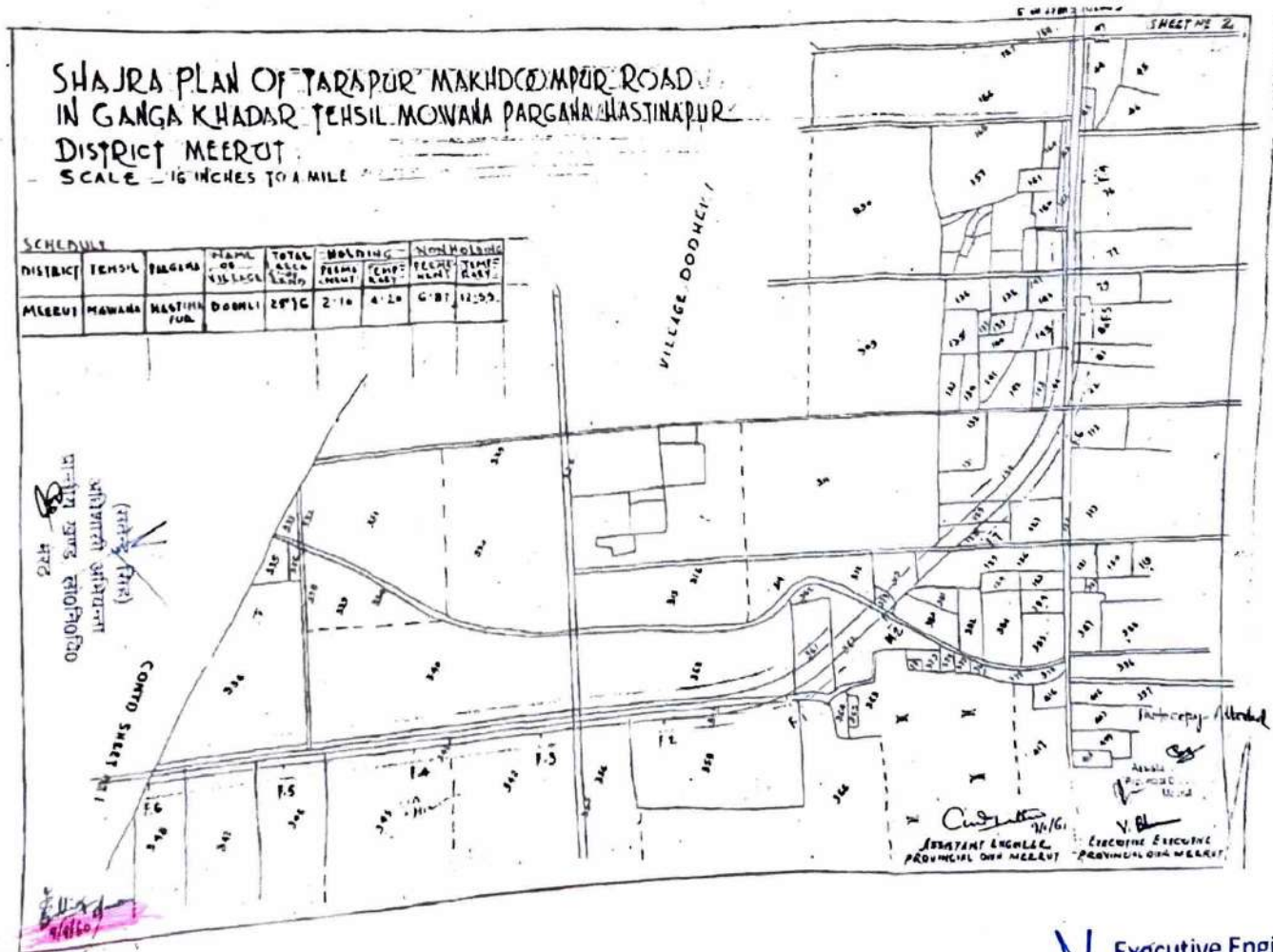
**Name of the project:** - Re-construction & road widening of Nayagaon-Makdumpur road from chainage km 00.000 to km 23.350 (Total Length 23.350) in district- Meerut, Uttar Pradesh State.

**Online Proposal No.-** FP/UP/ROAD/149898/2021

**Area of Forest Land Diversion:** - 0.334 ha.

**Length of Project Road:** - From Ch. 0.000 to 23.350 = 23.350 km in Meerut district of Uttar Pradesh.

This is to certify that existence of project road is prior to 1980. Cadastral map of 1960 is attached here as documentary evidence of existence of project road is prior to 1980 for proposed project "Re-construction & road widening of Nayagaon-Makdumpur road from chainage km 00.000 to km 23.350 (Total Length 23.350) in district- Meerut, Uttar Pradesh State"



Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
**Er. Satendra Singh**  
Executive Engineer,  
Provincial Division, PWD Meerut



# कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

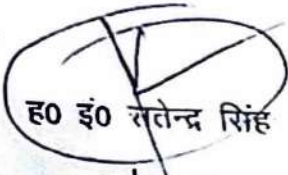
मेरठ वृत्त, लो0नि0वि0, मेरठ

पत्रांक 3319/ 376 W-1. 5/23

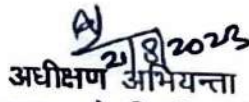
दिनांक: 21/08/2023

## कार्यालय-ज्ञाप

जनपद मेरठ में प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत वन्य जीव अभ्यारण्य एवं आरक्षित/संरक्षित वन क्षेत्र में अवस्थित मार्गों के निर्माण कार्यों हेतु अनापत्ति से संबंधित कार्यवाही/अगिलेख आदि हेतु पूर्व में इस कार्यालय के पत्रांक 2383/376डब्लू-गे0वृ0/22 दिनांक 22.07.2022 के द्वारा इं0 शैलेन्द्र कुमार सारस्वत, अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ को अधिकृत किया गया था। इं0 शैलेन्द्र कुमार सारस्वत के स्थानान्तरण के फलस्वरूप इं0 सतेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ जिनके हस्ताक्षर नीचे अगिप्रमाणित है, को उक्त कार्य हेतु अधिकृत किया जाता है।

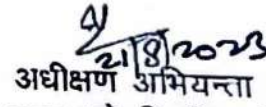
  
ह0 इं0 सतेन्द्र सिंह

हस्ताक्षर प्रमाणित

  
अधीक्षण अभियन्ता

मेरठ वृत्त, लो0नि0वि0, मेरठ।

0/L

  
अधीक्षण अभियन्ता

मेरठ वृत्त, लो0नि0वि0, मेरठ।

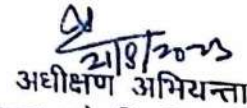
पत्रांक

दिनांक:

प्रतिलिपि :- मुख्य अभियन्ता, मेरठ क्षेत्र, लो0नि0वि0, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि :- इं0 सतेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

0/L

  
अधीक्षण अभियन्ता

मेरठ वृत्त, लो0नि0वि0, मेरठ।

## शजरा

333

334

380

314

29° 9' 7.568" N  
78° 2' 2.492" E

29° 9' 7.569" N  
78° 2' 5.438" E

29° 9' 7.005" N  
78° 2' 3.692" E

29° 9' 7.040" N  
78° 2' 5.432" E

332

Proposed  
Area for  
Compensatory  
Afforestation  
0.3340 Hect.

330

381

327

29° 9' 4.934" N  
78° 2' 2.557" E

29° 9' 5.057" N  
78° 2' 3.741" E

328

317

324

323

Er. Satendra Singh  
Executive Engineer,  
Provincial Division, PWD Meerut



Khata No: 00141 Plot No: 332मि Area : 0.773 Hectare

Khata No: 00148 Plot No: 332मि Area : 0.401 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00141

- 1 :- नाम : अजीत सिंह संरक्षक का नाम : गुरदयाल सिंह निवास स्थान : दुधली खादर
- 2 :- नाम : सम्पूर्ण सिंह संरक्षक का नाम : गुरदयाल सिंह निवास स्थान : दुधली खादर
- 3 :- नाम : भगवाना संरक्षक का नाम : गुरदयाल सिंह निवास स्थान : दुधली खादर

Owner Details For Khata No.: 00148

- 1 :- नाम : नवीन परती संरक्षक का नाम : नि. ग्राम निवास स्थान : नि. ग्राम

||-----||  
Khata No: 00151 Plot No: 320 Area : 0.046 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00151

- 1 :- नाम : नाली निवास स्थान : नि. ग्राम

||-----||  
Khata No: 00084 Plot No: 327 Area : 0.368 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00084

- 1 :- नाम : राधेस्याम छावडा संरक्षक का नाम : गोविन्दराम छावडा निवास स्थान : नि0म0न0319पूर्वा शाहिद हुसैन रेलवे रोड मेरठ

||-----||  
Khata No: 00137 Plot No: 328 Area : 0.707 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00137

- 1 :- नाम : स्वर्ण सिंह संरक्षक का नाम : समीर सिंह निवास स्थान : हस्तिनापुर

Order Description For Khata No.: 00137

1 : 1428फ० आदेश तहसीलदार न्यायिक मवाना वाद सं०T202111520303183/15.06.2021 को आदेश हुआ कि ग्राम जलालपुर उर्फ मकबूलपुर परगना हस्तिनापुर की खतीनी वर्ष 1425 ता 1430 फसली के खाता संख्या 00137 खसरा सं० 328 रकबा 0.7070है० लगान 15.21 पैसे से विक्रेता स्वर्ण सिंह पुत्र समीर सिंह निवासी ग्राम हस्तिनापुर परगना हस्तिनापुर का नाम खारिज करके क्रेता गगनदीप सिंह पुत्र अजमेर सिंह निवासी ई-55 शकुन्तला कालौनी हस्तिनापुर परगना हस्तिनापुर का नाम पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 17/04/2021 के आधार पर संक्रमणीय भूमिधर के रूप में समान अधिकारों पर दर्ज हो।आर-6/15.06.2021

||-----||  
Khata No: 00151 Plot No: 329 Area : 0.008 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00151

- 1 :- नाम : नाली निवास स्थान : नि. ग्राम

||-----||  
Khata No: 00151 Plot No: 331 Area : 0.009 Hectare

Owner Details For Khata No.: 00151

- 1 :- नाम : नाली निवास स्थान : नि. ग्राम

||-----||  
Khata No: 00100 Plot No: 333 Area : 1.026 Hectare

*Er. Sandeep Singh*  
*Executive Engineer,*  
*Provincial Division, PWD Meerut*

SCALE 1/16" INCHES TO A MILE

SCALE 1/16" INCHES TO A MILE

DISTRICT	TEHSIL	PURANA	NAME OF VILLAGE	TOTAL AREA IN ACRES	HOLDING PLANT MULAT	NON HOLDING PEASANT RAN
MICERUT	MAWANA	HASTINN PUR.	DOOLLI	25.76	2.10	4.20
						G-87, 12-59-

Er. Satendra Singh  
Executive Engineer,  
Provincial Division, PWD Meerut

CONTD SHEET NO 1

9/8/60  
Bill of main

H Cindy Little 7/1/61  
ASSISTANT ENGINEER  
PROVINCIAL OWN MEET

Assistant  
Provincial Director  
Mandera

Y. Blum  
EXECUTIVE EXECUTIVE  
PROVINCIAL OWN MEER

### Therapeutic - Related

2 in LEATHS

CONTROL SHEET No. 3

2 in LEATHS

2 in LEATHS

2 in LEATHS



## Plantation Scheme for roadside plantation (Avenue/ Road side Plantation)

**Name of the project:** - Re-construction & road widening of Nayagaon-Makdumpur road from chainage km 00.000 to km 23.350 (Total Length 23.350) in district- Meerut, Uttar Pradesh State.

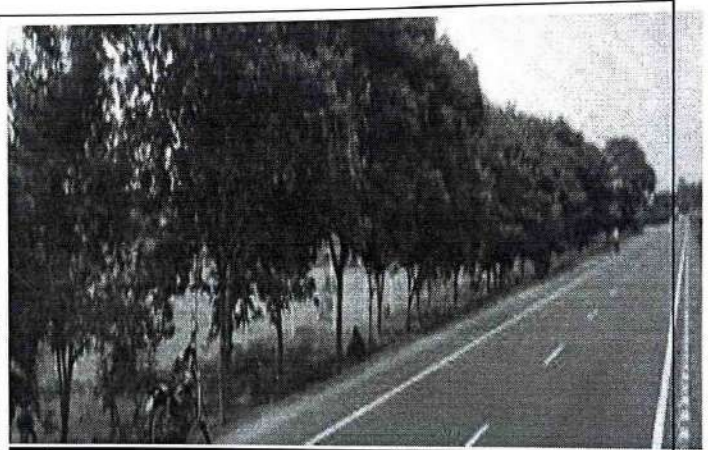
Online Proposal No.- FP/UP/ROAD/149898/2021

Area of Forest Land Diversion: - 0.334 ha.

Length of Project Road: - From Ch. 0.000 to 23.350 = 23.350 km in Meerut district of Uttar Pradesh.



Road Side Plantation



Avenue Plantation

  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut

### Table of contents

Sl. No.	Contents	Page No.
1	Introduction	3
2	Objectives of the Project	3
3	Average width available for avenue plantation	3
4	Plantation Layout Plan and Pits digging	4
5	Technical Specifications	4
6	Species Planned for 1st Row of Avenue Plantation	5
7	Planting Material	5
8	Benefits of tree plantation in terms of Greenhouse effect	8
9	Abstract of estimated project cost	8



Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut



## Plantation Scheme

### 1. Introduction

To compensate the ecological loss for felling of trees, development of aesthetic values and enhancement microclimatic conditions, total 430 nos. of trees will be planted with in the PROW of proposed highway. Avenue plantation will be carried out as per IRC SP: 21 2009 and National Green Highways Policy 2015. The project highway for which Plantation scheme is prepared is in Meerut district, Uttar Pradesh. The total length of project highway is 23.350 km in Meerut district of Uttar Pradesh in which widening is proposed.

### 2. Objectives of the Project:

The main objectives of planting along the Highways are as follows: -

- For aesthetic enhancement of the project corridors and places of importance by planting selective ornamental trees with ornamental shrubs and turfing with grass.
- To reduce the impacts of air pollution and dust as trees and shrubs are known to be natural sink for air pollutants.
- To provide much needed shade on glaring hot roads during summer.
- To reduce the impact of ever-increasing noise pollution caused due to increase in number of vehicles.
- To arrest soil erosion at the embankment slopes.
- Prevention of glare from the headlight of incoming vehicles.
- Moderating the effect of wind and incoming radiation

### 3. Average width available for avenue plantation:

The average width on either side available for avenue plantation is 3-6 m along the project highway.

The area of plantation in avenue has been presented in **Table 1** below.

**Table 1: Avenue Plantation**

Requirement of trees for Avenue Plantation									
Sl. No.	Chainage		Length (m)	Side	Spacing, (m)	Avenue Plantation No. of ROW	Total Trees		Remarks
	From	To					Nos	Total	
1	0+000	23+000	23000	BHS	3	1	430	430	Tree plantation shall be done in the vacant area of Nayagaon-Mukdumpur road
							<b>Total</b>	<b>430</b>	

 Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut

- 1) Avenue Plantation = 430 no.  
**Total Plantation** = 430 no.

#### 4. Plantation Layout Plan and Pits digging:

Multiple row of plantation is advised for better protection against soil erosion and water purification but due to constrain in space at some location single row avenue plantation is proposed. However, avenue plantation is proposed 1&2 rows except some location through the project road length. Plantation to be done in staggered manner. The plantation layout plan has been attached as **Annexure-I**.

#### 5. Technical Specifications

The technical specifications specified here are proposed and during execution of project the concerned DFO may suggest for some modification as per site condition or condition stipulated in In-principal approved of forest Clearance. The site-specific project report shall prescribe plantation pattern based on actual site conditions. The technical specifications of ornamental/flowering plants (Row I) and shade/fruit bearing trees (Row II) have been presented in **Table 2** and **Table 3** respectively.

**Table 2: Technical Specifications of Ornamental/ Flowering Plants (Row I)**

Distance from face of the road edge both side.	1m
Longitudinal spacing between plant to plant	3m
Spacing between rows	3m
Size of the pits (normal soil)	60 X 60 X 60 cm
For Alkaline soil (usar)	By auger
Water logged areas	Mounds with height varying depending on the water level
No of plants per Km	333
Height of the plant	1.5 m to 2 m

**Table 3: Technical Specifications of Shade/Fruit bearing trees (Row II)**  
**Last Row**

Spacing between tree to tree	6 m
Canopy Shape & Size	Preferable spreading with medium CSA
Size of the pits (normal soil)	60 X 60 X 60 cm
For Alkaline soil (usar)	By auger
Water logged areas	Mounds
No. of plants per line Km	166

 Executive Engineer  
 Provincial Division PWD  
 Meerut



Height of the plant	More than 3 m
---------------------	---------------

#### 6. Species Planned for 1<sup>st</sup> Row of Avenue Plantation:

First row of plantation along the highway have been worked out based on the land availability within the ROW. Based on the Agro-climatic zone and climatic conditions following tree species as presented in Table 4 may planted in 1<sup>st</sup> row.

**Table 4: Species Recommended for 1<sup>st</sup> Row of Avenue Plantations**

S. No.	Name
Fruit Bearing Trees/ Environmentally Friendly Trees	
1.	Neem
2.	Paker
3.	Imli
4.	Bargad
5.	Chrosia Spiciosa
6.	Sisham
7.	Mango
8.	Pipal

Trees recommended for 2<sup>nd</sup> Row of road side Avenues:

**Table 5: Trees Recommended for 2<sup>nd</sup> (or the only) Row in Roadside Avenues**

S. No.	Name
1.	Katang Bambo
2.	Cassia Fistula
3.	Ttabebuia Rosea
4.	Arjun
5.	Kachnar Gulmorh
6.	Jamun
7.	Amaltas
8.	Tecoma Capencis

#### 7. Planting Material:

The plant quality determines success in plantation, particularly in relation to root development. Once the plantation contractor has selected which tree species to use it is then important to select seedlings that are best suited to the site conditions but also ensure that the seed stock is healthy (i.e. it comes without pests or diseases).

##### a. Insecticide/pesticide/fungicide:

When a plant cannot function normally, it is diseased. The primary causes of disease in trees are

  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut

pathogens and environmental factors. Trees have many disease pathogens: viruses, bacteria, fungi, nematodes, mycoplasma-like organisms, and parasitic higher plants. Fungal pathogens are the most prevalent. They cause seed rots, seedling damping-off, root rots, foliage diseases, cankers, vascular wilts, diebacks, galls and tumors, trunk rots, and decays of aging trees. Unfavorable weather and environmental factors such as temperature and moisture extremes, high winds, or ice can damage trees directly and predispose the trees to pest attack.

All parts of a tree—roots, stems, foliage, shoots and terminal leaders—are vulnerable to attack by pests. Pest damage can range from slight damage that has no effect on the value of the harvested product to severe damage that stunts or kills the trees or reduces their market value. Tree pests include insects and mites, diseases, weeds, vertebrates, and nematodes. Managing tree pests effectively should be based on thorough consideration of ecological and economic factors.

Pesticides are a very important tool in IPM when large pest populations threaten high-value trees. Knowledge of the pest's life cycle, selection of an appropriate pesticide, proper timing of the application, and use of the right application equipment will improve coverage and effectiveness. The ability to recognize beneficial bio control organisms, combined with cultural and mechanical controls, may allow you to reduce, delay, or eliminate pesticide treatment of a minor pest problem. The method you choose to apply a pesticide will depend on the nature and habits of the target pest, the site, the pesticide, available application equipment, and the cost and efficiency of alternative methods. Your choice is often predetermined by one or more of these factors. Some common application methods are described below.

- Broadcast application is the uniform application of a pesticide to an entire area.
- A directed-spray application targets pests in a specific area in an effort to minimize pesticide contact with the crop or beneficial insects.
- Foliar application directs pesticide to the leafy portions of a plant. Spot treatment is application of a pesticide to small, discrete areas.
- Soil application places pesticide directly on or in the soil rather than on a growing plant.
- Soil incorporation is the use of tillage equipment to mix the pesticide with the soil.
- Soil injection is application of a pesticide beneath the soil surface.

#### **b. Manure/compost/fertilizer:**

Manures are plant and animal wastes that are used as sources of plant nutrients. They release nutrients after their decomposition. The art of collecting and using wastes from animal, human and vegetable sources for improving crop productivity is as old as agriculture. Manures are the organic materials derived from animal, human and plant residues which contain plant nutrients in complex organic forms. Naturally occurring or synthetic chemicals containing plant nutrients are called fertilizers. Manures with low nutrient content per unit quantity have longer residual effect besides improving soil physical properties compared to fertilizer with high nutrient. Farmyard manure refers to the decomposed mixture of dung and urine of farm animals along with litter and left-over material from roughages or fodder fed to the cattle. On an average well decomposed farmyard manure contains 0.5 per cent N, 0.2 per cent  $P_2O_5$  and 0.5 per cent  $K_2O$ . Urine, which is wasted, contains one per cent nitrogen and 1.35 per cent potassium.

#### **c. Watering Plan:**

  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut



Watering in avenue plantations need at least periodic watering during the first growing season to obtain a satisfactory survival rate. Watering will begin after the cessation of rains, when the moisture content of the soil has fallen to near the wilting coefficient; then watering should be repeated at intervals until the onset of the next rainy season. Before each watering, the area around the tree should be cleared of weeds, and a shallow basin should be made around the stem of each tree or shrub to collect as much water as possible. In some instances, regular cultivation and weeding, especially during the first growing season, are sufficient measures to conserve soil moisture for satisfactory survival of the plants, eliminating the need for watering. Since, length of project road is only 19.070km, watering for proposed plantation can be easily done through water tanker from available surface water sources.

**d. Plantation Protection Plan:**

Once a plantation has been established, the work shall not be considered finished. It will be necessary to protect the plantation against weather, fire, insects and fungi, and animals. A variety of cultural treatments also may be required to meet the purpose of the plantation.

**e. Fire:**

Damage by fire imposes a serious threat to plantations. The fire risk is generally high in the dryer climatic regions; but, even in relatively moist or high rainfall areas, there may be warm and dry spells when the fire risk is high. Fire risk has been considered a major consideration from the early stages of plantation development.

**f. Insects and fungi:**

Most insects and fungi are selective of the host species. In their natural environment, trees and shrubs normally attain a state of equilibrium with indigenous pests. However, when exotic trees and shrubs are planted, exotic pests can also be introduced. Quite often, these exotic pests readily adapt themselves to the conditions of their new habitat. In general, the risk of damage from pests is higher when the plants are physiologically weakened from planting on unsuitable sites, improper site preparation, inefficient planting, adverse climatic conditions, or neglect of weeding and other maintenance operations. The main precautions to be taken in guarding against possible future damage from insects and fungi are to plant tree or shrub species that are suitable to the climatic and soil conditions of the site.

Insects and fungi can often be checked by applications of appropriate chemical insecticides or fungicides. Usually, these chemicals are available as liquids (or wettable powder), dusts, or smokes. Spraying with hand-operated spray guns or portable mist-blowers is frequently used to control attacks in young plantations; with canopy closure, aerial spraying and dusting or smoking can be more effective and cheaper. Only previously tested and environmentally sound insecticides and fungicides should be prescribed for use.

**g. Wild animals:**

Damage to avenue plantations by wild animals mainly takes the form of tree browsing or de-barking. In general, there are three orders of wild animals responsible for damage: rodents (rats, mice, and moles and squirrels); lagomorphs (hares and rabbits); and artiodactyls (pigs and buffaloes). The principal method of controlling damage by wild animals involves the use of fences, hedges or ditches, trapping and removal, and poison baits. However, within 10km either side of project road there is no

  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut



Wildlife area, so chance of damaging plant by wild animal is much low.

**h. Domestic animals:**

Grazing or browsing by sheep, goats and cattle can be a menace to young plantations. At times, hedges and fences are used to prevent intrusion by domestic animals. Where fencing costs are high, trespass by livestock can be controlled by guards.

The fencing of single row plantation is generally done by using iron/bricks/cement guards. Locally available bamboo guards or thorn fencing should be used where protection can be ensured through them. The description and specification for the iron and brick guards as per IRC:SP: 21-2009 are given below:

**i. Barbed Wire fencing:**

The fencing of multiple rows plantations will be done preferably by barbed wire. five strands barbed wire fencing, with cross strands, stretches on angle iron poles fixed at a distance of 4 m from one another; is recommended. Live fencing/ bamboo fencing/thorn fencing may be used where protection can be ensured through them.

**As per site condition the barbed wire fencing is the most suitable and cost effective option recommended for protection of plantation.**

**8. Benefits of tree plantation in terms of Greenhouse effect**

Trees help by removing (sequestering) CO<sub>2</sub> from the atmosphere during photosynthesis to form carbohydrates that are used in plant structure/function and return oxygen back into the atmosphere as a byproduct. Roughly half of the greenhouse effect is caused by CO<sub>2</sub>. Therefore, trees act as carbon sinks, alleviating the greenhouse effect. On average, one acre of new forest can sequester about 2.5 tons of carbon annually. Young trees absorb CO<sub>2</sub> at a rate of 5.9 kg per tree each year. Trees reach their most productive stage of carbon storage at about 10 years at which point they are estimated to absorb 21.8 kg of CO<sub>2</sub> per year.

Trees also reduce the greenhouse effect by shading houses and office buildings. This reduces the need for air conditioning by up to 30 percent which in turn reduces the amount of fossil fuels burned to produce electricity. The combination of CO<sub>2</sub> removal from the atmosphere, carbon storage in wood and the cooling effect makes trees extremely efficient tools in fighting the greenhouse effect. Planting trees remains one of the most cost-effective means of drawing excess CO<sub>2</sub> from the atmosphere.

**9. Abstract of estimated project cost:**

The abstract of estimated cost of plantation is presented in Table 6 below:

**Table 6: Cost of Plantation**

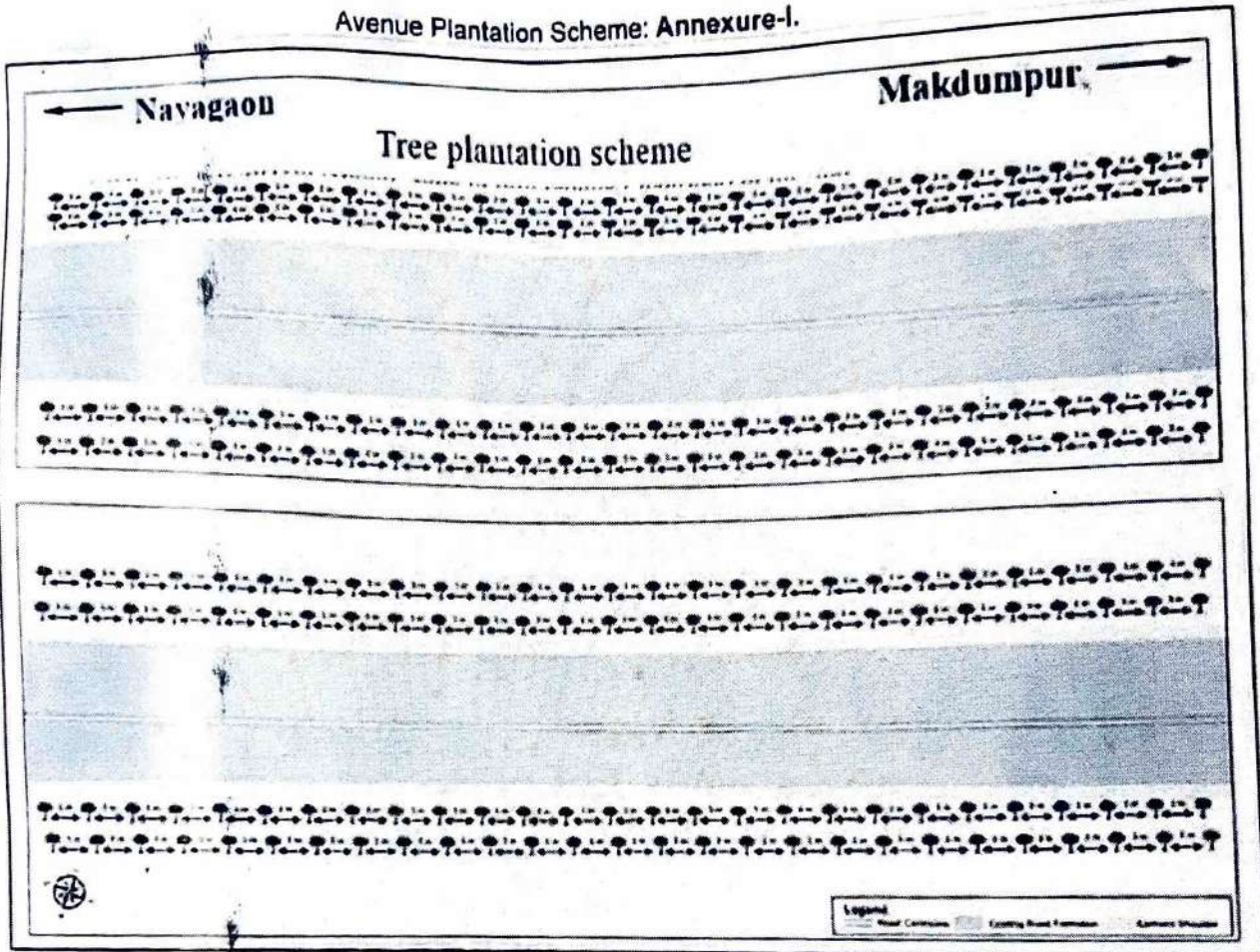
S. No.	Type of Plantation	Plantation Cost per plant (Rs.)	Number of Plants	Cost (Rs.)
--------	--------------------	---------------------------------	------------------	------------

  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut



1.	Avenue Plantation	2500	430	10,75,000/-
Total			430	10,75,000/-

Avenue Plantation Scheme: Annexure-I.

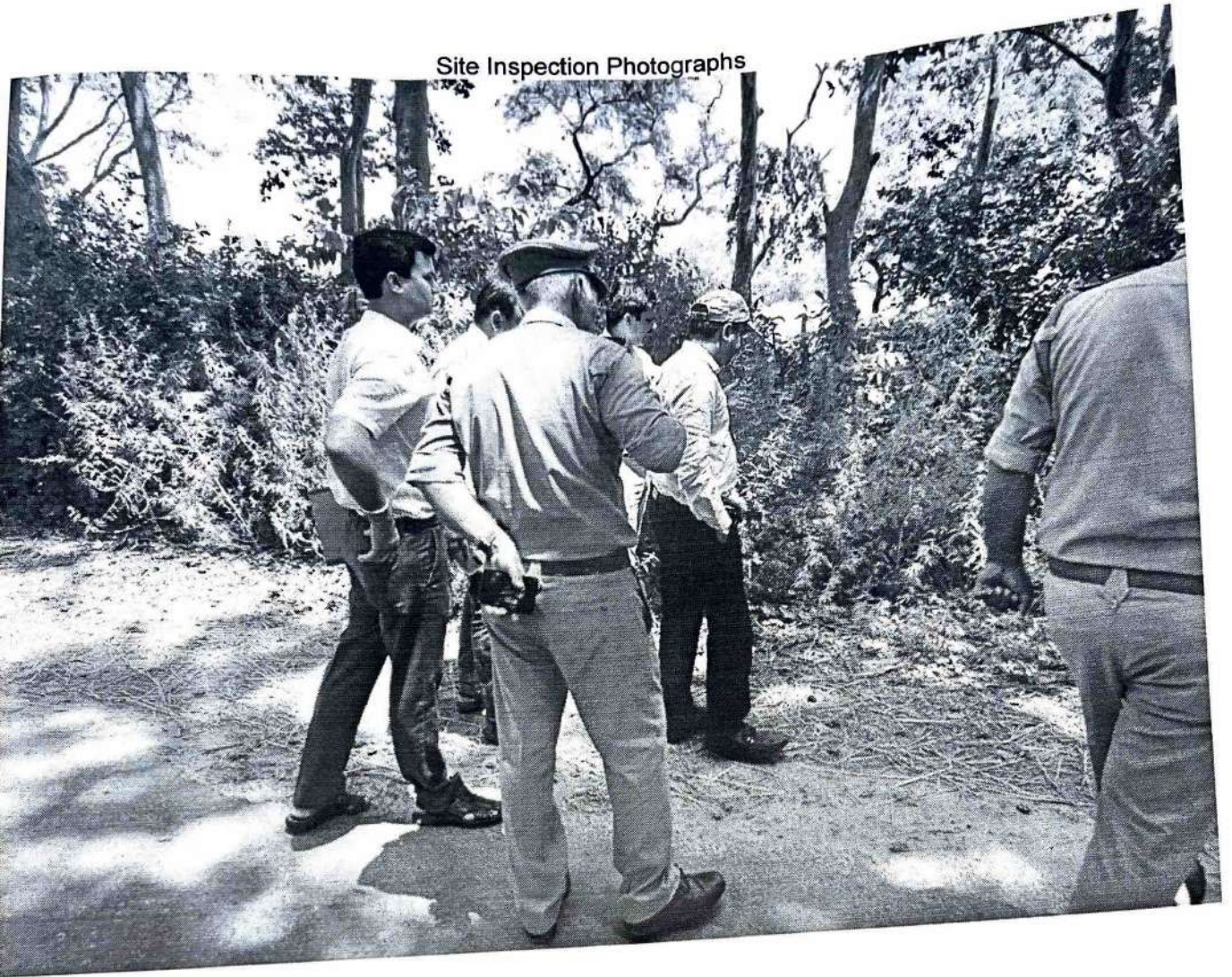


us  
 (राजेश कुमार)  
 प्रभागीय निदेशक  
 सामाजिक वानिकी प्रभाग,  
 मेरठ

Executive Engineer  
 Provincial Division PWD  
 Meerut



Site Inspection Photographs



  
Executive Engineer  
Provincial Division PWD  
Meerut



प्रस्तावित परियोजना के आसपास रिक्त स्थानों पर पौधों के रोपण करने सम्बन्धी प्रमाण-पत्र.

प्रमाणित किया जाता है कि प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, मेरठ, द्वारा जनपद मेरठ में जिला-मेरठ, उत्तर प्रदेश राज्य में 0.00 किमी चैनेज से 23.350 कि०मी० तक (कुल लम्बाई-23.350) नयाँ गॉव मखदूमपुर मार्ग का पुनः निर्माण और सड़क चौड़ीकरण के निर्माण कार्य हेतु प्रस्तावित स्थल के आस पास रिक्त पड़े स्थानों पर प्रस्तावक विभाग/संस्था द्वारा यथोचित वृक्षारोपण किया जायेगा।

(~~शैलेन्द्र कुमार~~)  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
मेरठ

(इ० शैलेन्द्र कुमार सारस्वत)  
अधिशाली अभियन्ता  
प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०,  
मेरठ।  
Mr. Shailendra Kumar Sarswat  
Executive Engineer  
Regional Division PWD, Meerut